सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

मूल्य ₹ 3/-

● वर्षः 9 ● अंकः 279 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 18 नवम्बर, 2023

सब कुछ आपका हो सकता है। बस सब कुछ एक बार में ही आपका नहीं हो सकता।
-ओपरा विनफ्रे

विश्वकप फाइनलः ये ही रात अंतिम, ये ही... 7 | चुनावी पिटारे में बंद हुई प्रत्याशियों... 3 | आंदोलनकारी छात्रों के संघर्ष को... 2

राजस्थान के सियासी रण में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी

» सीएम गहलोत ने कहा- कई मुद्दों से चूक गई बीजेपी, होमवर्क की कमी

» पीएम मोदी बोले- 3 दिसंबर को छूमंतर हो जाएगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

स्थानीय मुद्दों पर बात नहीं करती भाजपा

सीएम गहलोत ने कहा कि हमारी कई योजनाएं हैं, जिन पर उन्होंने टिप्पणी तक नहीं की है। जैसे ओपीएस है। उन्होंने यह नहीं बताया कि वे ओपीएस के बारे में क्या करेंगे। वे कई बिंदुओं से चूक गए हैं इसलिए मैंने कहा था कि होम वर्क की कमी है। चुनाव चल रहे हैं, लेकिन वे स्थानीय मुद्दों पर बात क्यों नहीं करते। वोट देने से पहले यह लोगों का अधिकार है कि पिछले पांच वर्षों में उपलब्धियों और बनाए गए कानूनों पर बहस होनी चाहिए।

जयपुर। राजस्थान में विधानसभा चुनावों में अब सिर्फ एक हफ्ते का ही समय बाकी रह गया है। ऐसे में प्रदेश का सियासी पारा काफी हाई है। प्रधानमंत्री मोदी से लेकर सत्ता व विपक्ष के कई बड़े नेता लगातार राज्य के चक्कर लगा रहे हैं और एक-दूसरे पर हमला बोल रहे हैं। इस बीच अब राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। बीजेपी पर हमला बोलते हुए सीएम गहलोत ने कहा कि विपक्ष का काम सरकार की आलोचना या फिर उनकी गलतियां बताना होता है, लेकिन राजस्थान में बीजेपी कई मुद्दों पर चूक गई हैं।

राजस्थान में बीजेपी की हालत को लेकर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की इतनी बुरी स्थिति कभी नहीं हुई। जब सरकार चलती है तो हम नीतियां या कानून बनाते हैं और विपक्ष की जिम्मेदारी आलोचना करना या गलतियां बताना होता है।

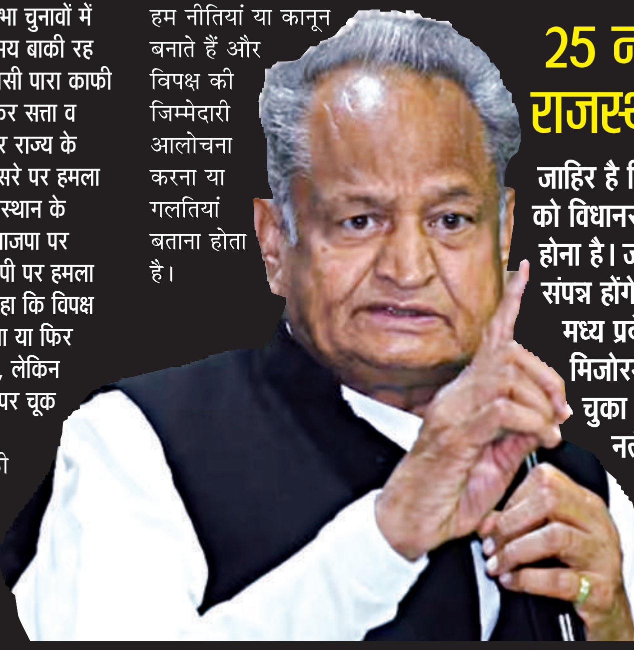

25 नवंबर को होगा राजस्थान में मतदान

जाहिर है कि राजस्थान में 25 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। जबकि नतीजे 3 दिसंबर को संपन्न होंगे। राजस्थान के अलावा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में मतदान संपन्न हो चुका है। इन राज्यों के भी नतीजे 3 दिसंबर को ही जारी किए जाएंगे।

कांग्रेस स्वभाव से ही दलित विरोधी : मोदी

चुनावी माहौल में भरतपुर पहुंचे पीएम मोदी ने कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए पीएम ने कहा कि राजस्थान की जनता 3 दिसंबर को कांग्रेस और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को छूमंतर करने वाली है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने राजस्थान में जो वादें किए हैं, उन्हें पूरा करने के लिए पार्टी जी-जान लगा देगी। सीएम अशोक गहलोत पर तंज कसते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कुछ लोग यहां खुद को जादूगर कहते हैं। अब उन्हें राजस्थान की जनता कह रही है कि 3 दिसंबर को कांग्रेस छूमंतर। उन्होंने कहा कि आपसे किए गए ये वादे जरूर पूरे होंगे ये मोदी की भी गारंटी है। दलितों के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए पीएम ने कहा कि कांग्रेस के शासन में दलितों के खिलाफ भी अत्याचार के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। कांग्रेस स्वभाव से ही दलित विरोधी है।

पिछले सात दिनों से जिंदगी-मौत की जंग लड़ रहे 41 मजदूर

» उत्तरकाशी में अभी भी जारी सिलक्यारा सुरंग में रेस्क्यू ऑपरेशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उत्तरकाशी। उत्तराखंड का उत्तरकाशी जिला इस समय देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। इसकी वजह है सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूर, जो रविवार से जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। उनके रेस्क्यू के लिए सरकार पूरी कोशिश कर रही है, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी है। ऐसे में अब विज्ञान और भगवान दोनों का सहारा लिया जा रहा है। क्रेन की मदद से पुजारी ने सुरंग के मुहाने पर झंडा लगाया और नारियल फोड़ा।

रेस्क्यू के 7वें दिन सुरंग के बाहर एक मंदिर स्थापित किया जा रहा है। एक तरफ मशीनों को अंदर ले जाया जा रहा है तो दूसरी तरफ जिस तरफ मंदिर स्थापित है। सुरंग के मुहाने पर मंदिर की स्थापना हो रही है। पूजा-अर्चना की जा रही है। दरअसल, इस हादसे के बाद ग्रामीणों का मानना है कि सुरंग ढहने के पीछे स्थानीय देवता बाबा बौखनाग का प्रकोप है।

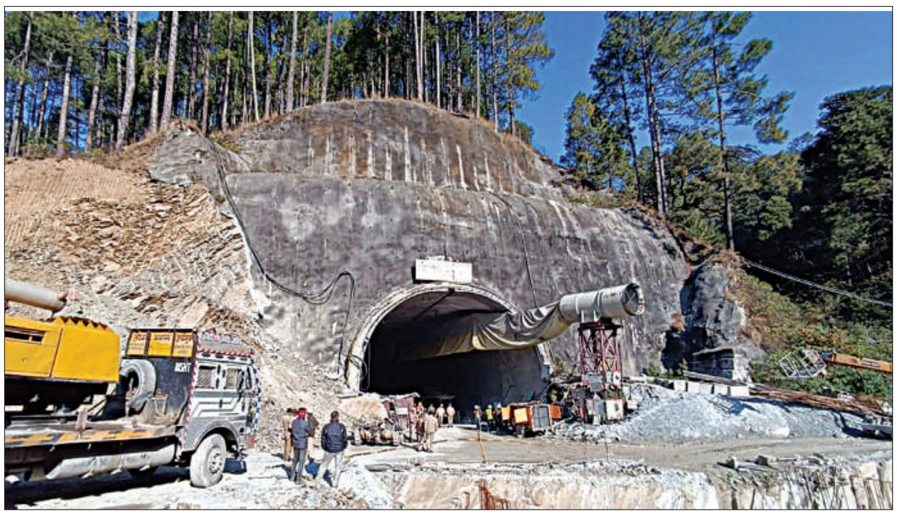

सीएम ने की समीक्षा बैठक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शासकीय आवास पर अधिकारियों के साथ टनल में फंसे श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने के लिए चलाए जा रहे बचाव कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान रेस्क्यू ऑपरेशन में आ रही बाधाओं से निपटने के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री कार्यालय में उप सचिव मंगेश घिल्डियाल सिलक्यारा पहुंचे हैं।

सामने आई बड़ी लापरवाही

वहीं इस पूरे मामले में अब एक बड़ी लापरवाही भी सामने आई है। दरअसल, 2 नवंबर को सुरंग में भूस्खलन के बाद एनएचआइडीसीएल और नवयुग कंस्ट्रक्शन की ओर से 40 श्रमिकों के नाम और पते प्रशासन को उपलब्ध कराए गए थे। अब सात दिन बाद यह लापरवाही सामने आई है। उत्तरकाशी सिलक्यारा सुरंग में 40 नहीं 41 श्रमिक फंसे हुए हैं। कंपनी की लापरवाही का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सात दिन बाद इस बात की जानकारी मिली है। जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला ने बताया कि जब 41 श्रमिक का नाम सूची में सामने आया तब एनएचआइडीसीएल और निर्माण कंपनी नवयुग कंस्ट्रक्शन बड़ी लापरवाही का पता चला।

आंदोलनकारी छात्रों के संघर्ष को दबाना अमानवीय : अखिलेश

» 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों को मिला सपा का साथ

» लोकतंत्र के लिए सपा अध्यक्ष ने बताया अशोभनीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भाजपा सरकार पर हमला बोलने का कोई मौका नहीं छोड़ते। अब सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 69,000 शिक्षक भर्ती आरक्षण घोटाले को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यार्थियों को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा है। सपा प्रमुख ने कहा कि प्रदर्शनकारी छात्रों को रोकने की कोशिश की जा रही है। आरक्षण की चोरी सामाजिक अन्याय है। सपा इस मुद्द पर पीड़ित छात्रों के साथ खड़ी हुई है।

सपा अध्यक्ष ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर 69,000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण घोटाले को लेकर धरने पर बैठे छात्रों का समर्थन किया और आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन ने आंदोलनकारी छात्रों के संघर्ष को दबाने की कोशिश कर रही है, ये बहुत अमानवीय है। अखिलेश यादव ने लिखा कि लोकतंत्र में ये अशोभनीय ही नहीं, अमानवीय भी है कि 69,000 शिक्षक भर्ती आरक्षण घोटाले के पीड़ित अभ्यर्थियों को शिक्षा मंत्री के समक्ष प्रदर्शन करने से न केवल रोका गया बल्कि महिला-पुरूष सभी को पुलिस की गाडियों में भरकर ईको गार्डन में भेजकर उन्हें ठंड में खुले आसमान में सोने के लिए मजबूर किया जा रहा है। दमन से संघर्ष न कभी दबे हैं, न दबेंगे। सपा इस संघर्ष में अभ्यर्थियों के साथ है। सपा अध्यक्ष ने इससे पहले भी अभ्यार्थियों के संघर्ष का समर्थन करते हुए कहा था कि आरक्षण की चोरी, सामाजिक न्याय के साथ अन्याय है। 69000 शिक्षक भर्ती के संघर्ष में हम भी साथ हैं।

सपा प्रमुख ने योगी सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

102 दिनों से धरने पर बैठे हैं अभ्यर्थी

दरअसल 69000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण में गड़बड़ी को लेकर पीड़ित अभ्यर्थी नियुक्ति की मांग को लेकर पिछले साढ़े तीन महीनों से इको गार्डन में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। शुक्रवार को ये अभ्यार्थी बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव करने पहुंचे थे, जहां पुलिस प्रशासन ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इस बीच पुलिस और अभ्यार्थियों के बीच तीखी नोकझोंक व धक्का मुक्की भी देखने को मिली, जिसके बाद पुलिस जबरन उन्हें गाड़ियों में भरकर ले गई और वापस इको गार्डन छोड़ दिया।

मुख्य सचिव मामले की जांच सीबीआई से हो : आतिशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार की मुश्किलें कम होती नहीं दिख रही हैं। अब उन पर भ्रष्टाचार के मामले में शामिल होने का एक और आरोप लगा है, नरेश कुमार पर लग रहे इन आरोपों को लेकर दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने कहा कि इस मामले को भी जांच के लिए सीबीआई को दिया जाना चाहिए। मंत्री ने यह भी रिकमेंड किया है कि करार खत्म किया जाए।

बता दें कि मुख्य सचिव नरेश कुमार पर आरोप है कि उन्होंने अपने बेटे की कंपनी को गलत तरीके से फायदा पहुंचाने की कोशिश की। इस मामले के सामने आने के बाद दिल्ली सरकार की विजिलेंस मंत्री आतिशी ने इसे लेकर एक रिपोर्ट सीएम अरविंद केजरीवाल को सौंप दी है। नरेश कुमार पर लगाए गए आरोपों में कहा गया है कि उन्होंने बेटे करण चौहान की कंपनी मेटामिक्स का दिल्ली सरकार के आईएलबीएस अस्पताल से मुफ्त में एमओयू करवाया। ये एमओयू नरेश कुमार के बेटे के स्टार्ट-अप के लिए पूरी तरह फायदे का सौदा था।

बिजली चोरी के लिए ठेकेदार दोषी

» कुमारस्वामी बोले- 68,526 रुपये का जुर्माना अदा किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य जनता दल (सेक्युलर) के प्रमुख एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि उन्हें दिवाली की रोशनी के दौरान बिजली चोरी की घटना की जानकारी नहीं थी क्योंकि उन्होंने यह काम एक ठेकेदार को सौंपा था। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने बिजली आपूर्ति कंपनी, बैंगलोर इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कंपनी लिमिटेड (बेस्कॉम) को 68,526 रुपये का जुर्माना अदा किया है।

उन्होंने कहा कि मैंने एक ठेकेदार से दिवाली के दौरान हमारे घर को रोशन करने के लिए कहा था। लेकिन ठेकेदार, जो रोशनी करने आया था, उसने हमारे घर को रोशन करने के लिए अवैध रूप से बिजली का इस्तेमाल किया। ठेकेदार द्वारा की गई गलती के लिए मैंने सभी से माफी मांगी

है। कांग्रेस नेता मुझे फोन कर रहे हैं। बिजली चोर। मुझ पर बेसकॉम द्वारा 68,526 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जद (एस) नेता का स्पष्टीकरण बेंगलुरु में उनके खिलाफ कथित बिजली चोरी को लेकर मामला दर्ज होने के कुछ दिनों बाद आया है, जब कांग्रेस ने इंटरनेट पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें उन्होंने अपने घर पर दिवाली की रोशनी को खराब करने का आरोप लगाया था।

पाठ्यक्रम में जोड़ा गया कुकी का विकृत इतिहास

» भाजपा के सहयोगी आरपीआई (अठावले) के नेता महेश्वर ने उठाये सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के एक मणिपुरी नेता ने काउंसिल ऑफ हायर सेकेंडरी स्कूल, मणिपुर द्वारा निर्धारित 11वीं कक्षा की किताब के बारे में चिंता जताई है और आरोप लगाया है कि इसमें कुकी समुदाय का मनगढ़ंत इतिहास है। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले की अध्यक्षता वाली आरपीआई (ए) भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का हिस्सा है।

मणिपुर बीजेपी शासित राज्य है। कीशमपत में अपने घर पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, महेश्वर थौनाओजम ने आरोप लगाया कि मणिपुर का इतिहास नामक पुस्तक के एक खंड में कुकी के इतिहास

को विकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि इसका असर उन छात्रों पर पड़ रहा है जिन्हें ऐतिहासिक तथ्यों की उचित समझ के लिए सटीक जानकारी की आवश्यकता है। महेश्वर ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के एक आरटीआई जवाब का हवाला देते हुए रेखांकित किया कि मणिपुर के इतिहास में एंग्लो-कुकी युद्ध कभी नहीं हुआ। चिंता व्यक्त करते हुए, महेश्वर ने दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में एंग्लो-कुकी युद्ध को शामिल करने की आलोचना की और विश्वविद्यालय में एक पेपर प्रस्तुत करने की योजना की घोषणा की, जिसमें वह मनगढ़ंत इतिहास को हटाने का आग्रह करते हैं।

शिक्षा मंत्री ने कहा- पुस्तक की करवाएंगे समीक्षा

इस मुद्दे को मणिपुर के शिक्षा मंत्री थौनाओजम बसंतकुमार के सामने रखते हुए, महेश्वर ने कहा कि शिक्षा मंत्री ने आश्वासन दिया कि वह पुस्तक की समीक्षा करेंगे और इस पर प्रतिबंध लगाने के लिए दो से तीन दिनों में उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुस्तक का प्रदर्शन करके विकृति को स्पष्ट किया, विशेष रूप से द कुकी शीर्षक वाले उपशीर्षक की ओर इशारा करते हुए, जिसमें कहा गया था कि कुछ कुकी आदिवासी लोग प्रागैतिहासिक काल के दौरान मणिपुर में चले गए थे। इस पर विवाद करते हुए, उन्होंने 33 ईस्वी से मणिपुर के प्रलेखित इतिहास पर प्रकाश डाला और जेम्स जॉनस्टोन के काम, मणिपुर और नागा हिल्स (1896) का संदर्भ दिया, जिसमें कुकी शब्द को 1830 और 1840 के बीच रखा गया है।

केंद्र की योजना हाईजैक कर रही मान सरकार : भाजपा

» केंद्रीय योजनाओं से हो रही छेड़छाड़ : जाखड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। दिल्ली में लगातार मुफ्त की सुविधा देने वाली आम आदमी पार्टी पंजाब में भी लोगों के बीच मुफ्त की चीजों को बांटने में लगी हुई है। हालांकि, आम आदमी पार्टी का लगातार यह दवा रहता है कि वह जनता के पैसे का सही इस्तेमाल कर जनता को ही लौटती है। आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार जो कि पंजाब में है, घर-घर आटा दाल योजना शुरू करने वाली है। जानकारी के मुताबिक श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर 27 नवंबर को पंजाब सरकार इसकी शुरुआत करेगी।

इस योजना को कम भगवंत मान खुद हरी झंडी दिखाएंगे। इस योजना के तहत प्रदेश के गरीबों को गेहूं और आटे की होम डिलीवरी होगी। अब इसको लेकर राजनीति शुरू हो गई है। आम आदमी पार्टी सरकार की योजना पर गुरुवार को विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। भाजपा ने उस पर सस्ते प्रचार और राजनीतिक लाभ के लिए केंद्र की गेहूं वितरण योजना को हाईजैक करने का आरोप लगाया। वहीं, कांग्रेस का कहना है कि इससे राज्य के खजाने पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। राज्य भाजपा प्रमुख सुनील जाखड़ ने आरोप लगाया कि भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार केंद्रीय योजना को दरकिनार कर देगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश के 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त अनाज मिलता है। जाखड़ ने कहा, पंजाब में ऐसे लाभार्थियों की संख्या 1.41 करोड़ है। उन्होंने कहा कि आटे की होम डिलीवरी की योजना पर 670 करोड़ रुपये खर्च होंगे। आप सरकार को जनता को बताना चाहिए कि एक केंद्रीय योजना, जिसे राज्य में सुचारू रूप से लागू किया जा रहा है, के साथ छेड़छाड़ क्यों की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय योजना को हाईजैक किया जा रहा है।

लाभार्थियों को घटिया आटा मिलने का खतरा : बाजवा

इस बीच, कांग्रेस नेता और पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने आप सरकार को इस दोषपूर्ण योजना के प्रति आगाह किया। बाजवा ने कहा, न केवल लाभार्थियों को घटिया आटा मिलने का खतरा है, बल्कि आप सरकार की प्रमुख योजना से राज्य के खजाने पर अनावश्यक बोझ भी बढ़ेगा। बाजवा ने दावा किया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी पहले ही चिंता जता चुके हैं कि उनके पास गेहूं के आटे की गुणवत्ता का पता लगाने का कोई तरीका नहीं है। फिर भी, आप सरकार इस योजना को आगे बढ़ाने पर अड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार को लाभार्थियों को आटे की जगह गेहूं का अनाज उपलब्ध कराना चाहिए।

पंजाबियों को बेवकूफ बनाने के लिए घड़ियाली आंसू बहा रही बीजेपी : आप

आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के प्रवक्ता अहबाब ग्रेवाल ने कहा कि भाजपा नेता को राज्य की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा, ये लोग पंजाबियों को बेवकूफ बनाने के लिए घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। लेकिन अब पंजाब के लोग उनके जाल में फंसने वाले नहीं हैं। ग्रेवाल ने पूछा, अगर जाखड़ और अन्य भाजपा नेता पंजाब के बारे में इतने चिंतित हैं तो उन्होंने लंबित ग्रामीण विकास निधि और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत धनराशि रोके जाने का मुद्दा केंद्र के समक्ष क्यों नहीं उठाया।

चुनावी पिटारे में बंद हुई प्रत्याशियों की किस्मत

मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में हुआ उम्दा मतदान

- » शिवराज व कमलनाथ के सियासी भविष्य पर नजर
- » कांग्रेस ने किया सत्ता विरोधी लहर का जबरदस्त प्रचार
- » 3 दिसंबर को निकलेगा वोटिंग का परिणाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र व छत्तीसगढ़ में वोटिंग संपन्न हो गई। 3 दिसंबर को पता चलेगा वोटरों ने किसको ताज पहनाया और किसका ताज गिरा दिया। हालांकि जिस तरह से वोटिंग हुई उससे तो ऐस लगता है कि सत्ता विरोधी लहर का असर हो सकता है। इसबार भाजपा को मध्यप्रदेश में झटका लग सकता है और कांग्रेस की सरकार आ सकती है। हालांकि अभी कहना जल्दबाजी होगा पर राजनीति में कोई भी चीज स्थाई नहीं होती है।

दरअसल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सीएम चेहरा नहीं हैं, लेकिन चुनाव लड़ रहे हैं। तय नहीं है कि आगे उनका सियासी भविष्य क्या होगा? कांग्रेस में कमलनाथ 75 की उम्र पार कर गए हैं, लेकिन सीएम चेहरा हैं। अगले चुनाव तक वह 80 वर्ष से अधिक के हो जाएंगे। जाहिर है यह चुनाव उनके लिए बेहद अहम है। दिमनी से चुनाव लड़ रहे केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, नरसिंहपुर से केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल और निवास से केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, इंदौर-1 से भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, सतना से सांसद गणेश सिंह, जबलपुर पश्चिम से सांसद राकेश सिंह, सीधी से सांसद रीती पाठक और गाडरवारा से सांसद उदय प्रताप सिंह पर सभी की निगाहें टिकी हैं। इनमें कई सीएम के चेहरे या भविष्य की अन्य महत्वपूर्ण भूमिका में देखे जा रहे हैं। मध्य प्रदेश की 16वीं विधानसभा चुनाव के लिए 26 दिन चले प्रचार अभियान में सत्ता के मुख्य दावेदार भाजपा और कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने जमकर जोर लगाया। खूब आरोप-प्रत्यारोप हुए। व्यंग्यबाण चले। अयोध्या व हिंदुत्व के मुद्दे भी आए। लेकिन, ध्रुवीकरण वाली तस्वीर नहीं बनी। चुनाव एलान से पहले कमजोर आंकी जा रही भाजपा चुनाव को कांटे की लड़ाई में खींच लाई। भाजपा ने सत्ता विरोधी लहर थामने के लिए चुनाव को मोदी बनाम कमलनाथ बनाने की रणनीति अपनाई तो कांग्रेस ने मोदी फैक्टर से बचने के लिए कमलनाथ बनाम शिवराज पर चुनाव केंद्रित करने में ताकत लगाई। मगर, एमपी के मन में मोदी और मोदी के मन में एमपी तथा संकल्प पत्रों पर मोदी की गारंटी के प्रचार ने आखिरकार चुनाव को कमल बनाम कमलनाथ से आगे मोदी बनाम कांग्रेस पर केंद्रित कर दिया। दावे दोनों तरफ से 150 सीटें जीतने के हैं। लेकिन भोपाल (मध्य भारत) से विंध्य, मालवा से निवाड़, महाकौशल से ग्वालियर-चंबल और बुंदेलखंड तक की 3 हजार किमी से ज्यादा लंबी यात्रा में करीब 30 से 35 सीटें कांटे की लड़ाई में नजर आई हैं। लग रहा है कि करीब 20 सीटों की हार-जीत बागियों को मिलने वाले वोटों से ही तय हो पाएगी। दोनों दलों को करीब 10-15 सीटों पर भितरघात का खतरा है। अब सबकी नजरें इसपर टिकी हैं कि 2024 के लोकसभा चुनाव के रिहर्सल के तौर पर देखे जा रहे इस चुनाव में मध्य प्रदेश के 5.61 करोड़ मतदाता मोदी की गारंटी पर मुहर लगाते हैं या कमलनाथ को फिर गद्दी देकर कड़ा संदेश सुनाते हैं।

महिला आरक्षण और जाति जनगणना का मुद्दा ज्यादा नहीं चला

केंद्र सरकार ने संसद व विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटें आरक्षित करने का कानून बनाया। धीरे-धीरे दोनों ही पार्टियों ने इस मुद्दे से फोकस हटा लिया। इसी तरह बिहार में जातिगत गणना के आंकड़े सामने आने के बाद ये चुनाव हो रहे हैं। प्रारंभ में कांग्रेस ने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाने की कोशिश की। लेकिन, जैसे ही भाजपा की ओर से पीएम व सीएम के पदों पर पिछड़ों को अवसर देने से जुड़े सवाल उठने शुरू हुए, पार्टी ने इस पर फोकस कम कर दिया।

2.72 करोड़ महिला मतदाताओं की अहम भूमिका

मध्य प्रदेश में महिला मतदाताओं की संख्या 2.72 करोड़ से ज्यादा है। भाजपा और कांग्रेस ने इनका समर्थन पाने के लिए नकद हस्तांतरण के बड़े वादे किए हैं। भाजपा ने देना शुरू कर दिया है। आगे बढ़ाने की बात की है। कांग्रेस ने आकर देने को कहा है। देखना होगा, महिलाएं किस पर भरोसा जताती हैं। जानकार बताते हैं कि मतदान में महिलाओं की भागीदारी सबसे अहम होगी।

भाजपा की ताकत, बस मोदी का चेहरा

अपने सबसे बड़े ब्रांड पीएम नरेंद्र मोदी को चुनावी चेहरा बनाया। इससे भाजपा सीधी लड़ाई में आ गई। चुनाव से पहले लाडली बहना योजना का एलान व कई किस्तों का बहनों के खातों में भुगतान। किसान सम्मान निधि की एक किस्त चुनाव से ठीक पहले किसानों के खाते में पहुंची। कांग्रेस के वादे से 50 रुपये कम 450 रुपये में ही गैस सिलिंडर देने के वादे पर अमल। कांग्रेस के भारी-भरकम चुनावी वादों की गारंटी से ध्यान हटाने और भाजपा के अपने संकल्प पत्र के वादों को पूरा करने के लिए मोदी की गारंटी का प्रचार। बड़े मंत्रियों व सांसदों को चुनाव में उतारने से कांग्रेस को नए सिरे से रणनीति बनानी पड़ी। जीत पक्की मानी जा रही सीटों पर भी बड़े नेताओं के रोड शो व सभाएं करानी पड़ीं। चुनाव के बीच में ही गरीबों को अगले पांच वर्ष तक मुफ्त राशन देते रहने का एलान। चुनाव से दो दिन पहले आदिवासियों के कल्याण से जुड़ी बड़ी योजना का एलान। मध्य प्रदेश में 47 सीटें आदिवासियों के लिए सुरक्षित हैं।

कांग्रेस की ताकत, पूरे राज्य में एकजुटता

मुख्यमंत्री चेहरे पर कोई भ्रम नहीं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ फिर सीएम चेहरा। सत्ता विरोधी लहर का जबरदस्त प्रचार। इसे अपने पक्ष में भुनाने के लिए प्रचार तंत्र का आक्रामक उपयोग। मतदान से एक महीने पहले वचनपत्र। जनता में अपने वादे पहुंचाने का पर्याप्त समय। दो लाख खाली सरकारी पदों पर भर्ती, महिलाओं को 1500 रुपये हर महीने, रसोई गैस 500 रुपये में, किसानों को कर्जमाफी व 2600 रुपये में गेहूं व 2500 रुपये में धान खरीदने का वादा। बिजली के 100 यूनिट बिल माफ व 200 यूनिट हाफ करने का वादा। पूरे चुनाव में जनता के बीच इसकी चर्चा रही। प्रदेश के कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन बहाल करने का वादा। शहरी क्षेत्रों में यह बड़े मुद्दे के रूप में सामने आया। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच के मतभेद सार्वजनिक हुए। भाजपा ने मुद्दा बनाया। माहौल प्रभावित हुआ। कांग्रेस का वचन पत्र जारी होते समय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी जैसा कोई बड़ा नेता शामिल नहीं हुआ। केंद्र व राज्य नेतृत्व के बीच सामंजस्य में कमी का संदेश गया। जातिगत गणना को पार्टी ने मुद्दा बनाया। भाजपा ने देश में पीएम और एमपी में पिछड़ा वर्ग से सीएम बनाने पर सवाल किया। पार्टी का मुद्दा कमजोर हुआ।

राजस्थान : बागियों का पड़ेगा असर

- » विधानसभा चुनावों में भंवर में फंस गयी है भाजपा
- » कांग्रेस को करनी पड़ेगी मशक्कत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। चुनाव के आते ही दलबदलुओं की भी संख्या बढ़ने लगती है। सारी पार्टियों में दागियों व बागियों के आने का क्रम भी जारी है। बागियों व दागियों की वजह से दलों को परेशानी भी उठानी पड़ती है। इन परेशानियों का असर पार्टियों को चुनाव में भी देखना पड़ता है। इसी तरह का मामला राजस्थान में देखने को मिल रहा है वहां पर अपने टिकट कटने से नाराज भाजपा सरकार में मंत्री रहे तीन बड़े नेताओं ने पार्टी से बगावत कर निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर अपने नामांकन पत्र दाखिल कर दिए हैं। इससे भाजपा प्रत्याशियों के समक्ष संकट व्याप्त हो गया है।

राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को विधानसभा चुनाव के वोट डाले जाएंगे। प्रदेश में राज बदलने के प्रयास में लगी भाजपा में बड़ी संख्या में बागी प्रत्याशियों के मैदान में उतरने से पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के सामने संकट पैदा हो रहा है। राजस्थान में भाजपा ने इस बार बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों, पूर्व विधायकों व पिछले विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रह चुके लोगों के टिकट काटकर उनके स्थान पर नए चेहरों को मैदान में उतारा है। भाजपा ने दूसरे दलों से आये दलबदलुओं को भी बड़ी संख्या में टिकट देकर उपकृत किया है, जिससे पार्टी में बगावत तेज हो गई है। वसुंधरा राजे के खासमखास रहे पूर्व मंत्री यूनुस खान ने डीडवाना, बंशीधर बाजिया ने खंडेला व कैलाश मेघवाल ने शाहपुरा से निर्दलीय ताल ठोक दी है। हालांकि कैलाश मेघवाल को कुछ दिनों पूर्व ही पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है। इसके अलावा भाजपा में डग विधानसभा से पूर्व विधायक रामचंद्र सुनारीवाल, सांचौर सीट पर जालौर के सांसद देवजी पटेल के सामने पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी, चित्तौड़गढ़ सीट पर विद्याधर नगर से मौजूदा विधायक व पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत के दामाद नरपत सिंह राजवी के सामने चित्तौड़गढ़ के मौजूदा विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने नामांकन दाखिल कर दिया है। बाड़मेर से पूर्व मंत्री गंगाराम चौधरी की पोती प्रियंका चौधरी ने बगावत कर दी है। प्रियंका चौधरी पिछली बार पार्टी की प्रत्याशी रही थीं। मगर पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के नजदीकी होने के चलते उनकी टिकट काट दी गई है। सूरतगढ़ सीट से पूर्व विधायक राजेंद्र भादू और बयाना से पूर्व प्रत्याशी रितु बनावत ने ताल ठोक दी है। रितु बनावत के पति ऋषि बंसल को भरतपुर के जिला अध्यक्ष पद से हटा दिया गया है। बंसल पूर्व में युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

निर्दलीय बनकर लड़ रहे हैं बागी

कोटा जिले की लाडपुरा सीट पर तीन बार विधायक रह चुके भवानी सिंह राजावत ने दूसरी बार टिकट नहीं मिलने पर मैदान में ताल ठोक दी हैं। इस बार फिर लाडपुरा विधायक कल्पना देवी को ही प्रत्याशी बनाया गया है। इससे नाराज होकर भवानी सिंह राजावत ने निर्दलिय फॉर्म भर दिया है। झुंझुनूं विधानसभा सीट पर पिछली बार भाजपा के प्रत्याशी रहे राजेंद्र भाम्भू के स्थान पर 2018 के चुनाव में निर्दलीय चुनाव लड़े निषित कुमार को टिकट देने से नाराज होकर राजेंद्र भाम्भू निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में उतर गए हैं। पिलानी विधानसभा सीट पर सात बार विधायक व मंत्री रहे सुंदरलाल के पुत्र कैलाश मेघवाल का टिकट काट देने से उन्होंने भी पार्टी से बगावत कर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में फॉर्म भर दिया है। सीकर सीट पर भाजपा के मौजूदा उप जिला प्रमुख ताराचंद घायल ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में फॉर्म भर दिया है। फतेहपुर सीट पर नगर पालिका अध्यक्ष रह चुके मधुसूदन भिंडा ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन फॉर्म भरा है। कोटपूतली सीट पर पिछली बार के प्रत्याशी मुकेश गोयल, लूणकरणसर से प्रभूदयाल सारस्वत, सुजानगढ़ से राजेंदर नायक, मकराना से हिम्मत सिंह राजपुरोहित, सवाई माधोपुर से आशा मीणा, संगरिया से गुलाब सींवर, मसूदा से जसवीर सिंह खरवा, बस्सी सीट पर भाजपा सरकार में राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त जितेंद्र मीणा ने निर्दलिय फॉर्म भरा है।

दलबदलू भी बढ़ाएंगे तनाव

भाजपा ने चुनाव से पहले दूसरे दलों से दल-बदल कर आए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया को लक्ष्मणगढ़ से प्रत्याशी बनाया है जहां उनका मुकाबला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से होगा। कांग्रेस से सांसद रही ज्योति मिर्धा को भाजपा ने नागौर सीट पर मौजूदा विधायक सोहनलाल चौधरी का टिकट काटकर प्रत्याशी बनाया है। जहां उनका मुकाबला अपने ही चाचा व कांग्रेस प्रत्याशी हरेंद्र मिर्धा से होगा। ज्योति मिर्धा मारवाड़ के दिग्गज जाट नेता रहे नाथूराम मिर्धा की पोती हैं। कोटपूतली से हंसराज पटेल, धौलपुर से डॉक्टर शिवचरण कुशवाहा, खंडेला से सुभाष मील, वल्लभनगर से उदयलाल डांगी, करौली से दर्शन सिंह गुर्जर बाडी से गिरिराज सिंह मलिंगा, सादुलपुर से सुमित्रा पूनिया को टिकट दिया गया है। सुमित्रा पूनिया कांग्रेस से भाजपा में आए पूर्व विधायक नंदलाल पूनिया के पुत्रवधू हैं। टोडाभीम सीट से रामनिवास मीणा को टिकट दिया गया है। पूर्वी नहर परियोजना को लेकर रामनिवास मीणा लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं और क्षेत्र में पानी वाले बाबा के नाम से जाने जाते हैं। शाहपुरा से उपेंद्र यादव को प्रत्याशी बनाया गया है। उपेन यादव राजस्थान बेरोजगार महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष है व पिछले लंबे समय से युवा बेरोजगारों की राजनीति कर रहे हैं। भाजपा ने इस बार आदर्श नगर से अशोक परनामी और सिविल लाइन से अरुण चतुर्वेदी का भी टिकट काट दिया है। यह दोनों ही नेता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं तथा वसुंधरा राजे के करीबी माने जाते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नूंह में फिर दिखी प्रशासन की अनदेखी

> नूंह जिले में एक बार फिर से तनाव देखने को मिला है। स्थानीय व्यापारियों ने शुक्र वार को बाजार बंद रखे, क्योंकि गुरुवार को शहर के पांडु राम चौक इलाके में एक परिवार द्वारा आयोजित धार्मिक जुलूस पर अज्ञात संदिग्धों, जो बच्चे बताए गए थे, ने कथित तौर पर पथराव किया, जिसमें तीन महिलाएं घायल हो गईं, जिसके बाद गुरुग्राम के नूंह जिले में ताजा तनाव फैल गया।

कुछ महीनों पहले सांप्रदायिक दंगों से कई दिनों तक जूझे हरियाणा के नूहं जिले को फिर हिंसा से दो चार होना पड़ा। ये हिंसा वहां के प्रशासन की लापरवाही को दिखाता है। प्रशासन को अच्छी तरह से ज्ञात है कि वहां पर पुराना मामला अब भी कोर्ट में है ऐसे में इस तरह की घटना होना सरकार की कार्यशैली पर भी सवालिया निशान लगाता है। वो तो प्रशासन ने मामले को तुरंत काबू कर लिया अन्यथा कोई बड़ी अनोनी हो सकती थी। उधर नूंह एसपी नरेंद्र सिंह बिजारनिया ने बताया कि आठ महिलाओं ने एफआईआर दर्ज कराई है और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। वहीं आरेपी तीनों लड़कों से पूछताछ किया जा रही है कि यह घटना क्यों हुई। नूंह जिले में एक बार फिर से तनाव देखने को मिला है। स्थानीय व्यापारियों ने शुक्र वार को बाजार बंद रखे, क्योंकि गुरुवार को शहर के पांडु राम चौक इलाके में एक परिवार द्वारा आयोजित धार्मिक जुलूस पर अज्ञात संदिग्धों, जो बच्चे बताए गए थे, ने कथित तौर पर पथराव किया, जिसमें तीन महिलाएं घायल हो गईं, जिसके बाद गुरुग्राम के नूंह जिले में ताजा तनाव फैल गया।

पुलिस ने बताया कि महिलाओं की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है, फुटेज के आधार पर तीन लड़कों की पहचान की गई है। इन तीनों को राउंडअप कर लिया गया है और अब इन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। नूंह एसपी नरेंद्र सिंह बिजारनिया ने बताया कि स्थिति नियंत्रण में है और दोनों समुदायों के नेताओं को सुबह बुलाया गया था। पुलिस ने कहा कि जुलूस कुआं पूजन (कुआं पूजन) समारोह का हिस्सा था, जिसका आयोजन स्थानीय निवासी राम अवतार और उनके परिवार ने किया था। जब यह घटना घटी तब अवतार का परिवार और रिश्तेदार पास के शिव मंदिर जाने के लिए अपने घर से बाहर निकले थे। पुलिस ने कहा कि जब लगभग 20 लोगों का समूह इलाके में एक स्थानीय मदरसे से गुजर रहा था, तो संदिग्धों, मुख्य रूप से नाबालिगों ने उन पर कथित तौर पर पथराव किया। रात के ठीक 8 बजे थे। जुलूस में अफरा-तफरी मच गई क्योंकि प्रतिभागियों ने आश्रय की तलाश की, लेकिन इससे पहले कम से कम तीन लोग घायल हो गए। जांचकर्ताओं ने बताया कि तीनों घायल महिलाओं को इलाज के लिए नूंह के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। सरकारें इस ओर विशेष ध्यान दे जब त्योहारी सीजन होता है तो अराजक तत्व सक्रिय हो जाते हैं। ये ऐसे लोगों होते है जिन्हे धर्म कर्म से कुछ लेना देना नहीं होता है ये बस केवल माहौल को गंदा करके समाज में दहशत फैलाना चाहते है ताकि भारतीय तानेबाने को नुकसान पहुंचाया जाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बेहतर प्रोत्साहन नीति में संकट का समाधान

देविंदर शर्मा

धान की फसल के कटाई सीजन में एक बार फिर पराली जलाना खबरों में रहा। अब एक दशक से अधिक समय से, जब से पंजाब और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के आसपास के राज्यों में पराली में आग लगाना ज्वलंत मुद्दा बन गया है, नई दिल्ली में कुख्यात वायु प्रदूषण के लिए किसानों को दोषी ठहराये जाने के साथ ही इस आग पर काबू पाने का संघर्ष अभी जारी है। हालांकि पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) ने दावा किया कि पिछले तीन साल में खेतों में आग लगने की घटनाओं में कमी आई, लेकिन 1 नवंबर के बाद तीन दिनों में इसमें 150 प्रतिशत का उछाल नजर आया। जबकि कई एफआईआर दर्ज की गई व जुर्माना लगाया गया फिर भी खेतों में आग लगने का संकट जारी रहा। संबंधित क्षेत्रों के एसडीएम को उन किसानों के राजस्व रिकॉर्ड में 'रेड एंट्रीज' करने के लिए कहा गया जो धान के अवशेषों को न जलाने के निर्देश नहीं मान रहे थे।

लेकिन यहां एक पेच है जब पत्रकार कहते हैं कि उपलब्ध कराए गए उपग्रह डेटा के आधार पर आग लगने की घटनाओं की संख्या में कमी आई है, तो उन्हें यह अहसास नहीं होता कि वह क्षेत्र अधिक मायने रखता है जो आग से बचाया गया है। आग की संख्या में कमी समानुपातिक रूप से उस क्षेत्र में कमी से संबंधित नहीं है जिस पर पराली जलाई जाती है। उदाहरणतया, पंजाब ने दावा किया कि पिछले साल यानी 2022 के धान कटाई के मौसम में पिछले कुछ वर्षों में पराली जलाने की संख्या में 30 प्रतिशत की कमी आई, लेकिन जो क्षेत्र असल में खेत में पराली जलाने से बचाया गया था वह केवल 1.5 प्रतिशत था। यह दर्शाता है कि खेत में आग लगने की घटनाओं का डेटा कितना भ्रामक हो सकता है। कटाई सीजन के शुरुआती कुछ हफ्तों में, आग लगने की घटनाओं में महत्वपूर्ण कमी को लेकर खबरें आयीं। एक बार फिर ये न्यूज रिपोर्ट्स ऐसा आभास देती रहीं कि अवशेष जलाने की समस्या का बहुत हद तक खयाल रखा गया।

वहीं इन खबरों के प्रकाशित होने तक पूरी खड़ी फसल की कटाई भी नहीं हुई थी जबकि इस साल पंजाब में करीब 190 लाख टन धान की फसल होने का अनुमान था। इसके बाद, जब गेहूं बुआई के लिए खेतों को तैयार करने का काम जोरों पर होगा तो आग लगाने की घटनाओं में तेजी जारी रहेगी। इस वर्ष कटाई में देरी पंजाब में फसल रोपाई के सीजन के दौरान हुई भारी बारिश और बाढ़ के कारण हुई है (कुछ क्षेत्रों में, किसानों को सीजन में दो बार बाढ़ का सामना करना पड़ा) और पूरी फसल काटने में देर हुई है। इस बारे में हरियाणा बहुत बेहतर प्रदर्शन करता प्रतीत हो रहा है, क्योंकि जहां पंजाब में धान का क्षेत्रफल लगभग 32 लाख हेक्टेयर है, वहीं हरियाणा में धान का रकबा लगभग 50 प्रतिशत कम है, उसमें भी एक अहम हिस्सा बासमती का है, जिसके डंठल अक्सर नहीं जलाए जाते हैं। दिलचस्प यह है कि एनसीआर सीमा से सटे जिलों में पराली जलाई नहीं जाती है। दरअसल, नई दिल्ली की वायु गुणवत्ता हरियाणा के पड़ोसी जिलों की वायु गुणवत्ता से कहीं अधिक खराब है। इससे पता चलता है कि नई दिल्ली से सटे हरियाणा के जिलों को राजधानी से आने वाले बढ़ते प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है। हमें नहीं भूलना चाहिये कि पंजाब अकेला धान के औसतन करीब 220 लाख टन अवशेष उत्पन्न करता है। पराली की इतनी भारी मात्रा सरकार के साथ ही इंडस्ट्री मिलकर भी मैनेज नहीं कर सकती हैं। अब कुछ सालों से किसान कह रहे हैं कि वे बिना आग लगाये स्थानीय तरीकों से पराली का प्रबंधन कर सकते हैं बशर्ते ऐसा करने पर उन्हें प्रोत्साहन का भुगतान किया जाये। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरेंद्र सिंह ने किसानों को 1000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए

केंद्र सरकार से 2000 करोड़ रुपये की मांग की थी। मौजूदा मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी 1500 करोड़ रुपये की मांग की थी। केंद्र ने इन मांगों को मंजूर नहीं किया। इसके बजाय केंद्र सरकार धान के डंठल के निपटारे की समस्या सुलझाने को और ज्यादा मशीनों पर जोर दे रही है।

पहले ही पंजाब को सब्सिडी पर 1.37 लाख मशीनें प्रदान की जा चुकी हैं, जिनमें इस साल दी गयी 20000 मशीनें भी शामिल हैं। जबकि ये मशीनें एक साल में ज्यादा से ज्यादा तीन सप्ताह ही प्रयोग की जाती हैं व बाकी समय अधिकतर बेकार पड़ी रहती हैं। यह भी कि पंजाब तेजी से मशीनों के कबाड़खाने में तब्दील हो रहा है जहां केवल एक लाख ट्रैक्टरों की जरूरत है लेकिन इसके मुकाबले यहां एक्सेसरीज समेत पांच लाख से ज्यादा ट्रैक्टर हैं। हालांकि, नीति निर्माताओं को आगामी वर्षों में राज्य के समक्ष आने वाली एक और समस्या के प्रति सचेत करना चाहिए था।

संयमित शारीरिक गतिविधि रोकेगी अचानक मौत

केके तलवार

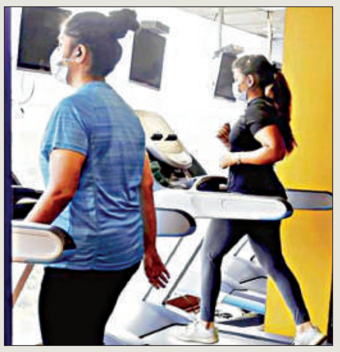

पिछले दिनों गुजरात में नवरात्रि उत्सव मनाने के दौरान एक दर्जन से अधिक अचानक होने वाली मौतों की खबर आई है। मरने वालों की उम्र किशोरवय से लेकर वयस्कों तक रही। गरबा नृत्य करते वक्त वे अचानक गिरे और प्राण पखेरू उड़ गए। इस त्रासदी ने फिर से सवाल उठाया है— क्या अत्यधिक शारीरिक व्यायाम या थकावट से अचानक मौत हो जाती है? पिछले कुछ सालों में, मशहूर गायक के प्रस्तुति देते वक्त और लोकप्रिय हास्य कलाकार राजू श्रीवास्तव व्यायाम करते समय मर गए। यह देखा गया है कि सघन व्यायाम करते समय ऐसी मौतों का जोखिम ज्यादा होता है। इसलिए, अतिशयी व्यायाम कुछ लोगों की अप्रत्याशित मृत्यु का कारण बनता है। आमतौर पर आरामतलब रहे लोग जब एकाएक भारी व्यायाम करने लगते हैं, तो मौत का जोखिम 50 गुणा अधिक हो जाता है। हालांकि विरले मामलों में, प्रशिक्षण अथवा प्रतिस्पर्धा के दौरान भी खिलाड़ी मरते देखे गए हैं। ज्यादातर मामलों में, अचानक मौत दिल की हालत से जुड़ी होती हैं। इस तरह से एकदम गिरने और मृत होने के पीछे कारण समझने की तुरंत जरूरत हैं ताकि बचाव के लिये रोधक उपाय किए जा सकें।

मेडिकल दृष्टि से तथ्य यह है कि सामान्य व्यायाम दिल के रोगों से बचाव करता है और इसको एक महत्वपूर्ण दिल-सुरक्षा गतिविधि माना जाता है। लेकिन अत्यधिक व्यायाम करने पर कोरोनरी धमनी में जमा एथिरोस्क्लेरोटिक प्लाक (थक्का) फट जाता है, और 30 साल या उससे अधिक उम्र वालों की अचानक मौत हो जाती है। वे लोग जो अस्वास्थ्यकारी गतिविधियां जैसे कि धूम्रपान, अत्यधिक शराब सेवन या आरामतलब जीवनशैली जीते हैं, उनकी धमनियों में चर्बी का थक्का बन जाता है। इससे धमनी में पैदा हुआ संकुचन सामान्यत: रक्त प्रवाह में महसूस करने लायक रुकावट नहीं बनाता, इससे वे लोग बिना लक्षणों वाले किंतु जोखिमजदा वर्ग में होते हैं।

अत्यधिक व्यायाम या गतिविधि करने पर थक्का, जिसकी प्रवृत्ति रक्त प्रवाह का दबाव बढ़ने से फटने की होती है, इसकी झिल्ली फटने से गाढ़ा पदार्थ धमनियों में जमा होकर थ्रोम्बोसिस और अवरोध बना देता है, नतीजतन हृदयाघात और यहां तक कि अचानक मौत हो जाती है। जिन लोगों को पहले से हृदयरोग है, उन्हें भारी व्यायाम से दूर रहना चाहिए। 30 साल से ऊपर की उम्र के वे लोग, जिनका पारिवारिक इतिहास हृदयरोग का है या अस्वास्थ्यकर जीवनशैली जीते हैं, उन्हें सघन व्यायाम करने से पहले अपने दिल की हालत का ऐतिहातन परीक्षण और आकलन करवाना चाहिए। कोरोनरी आर्टरी ऑब्स्ट्रक्शन बच्चों और किशोरवय में कम ही होती है। वे बच्चे, जो गरबा नृत्य करते वक्त मरे हैं, उनमें एक की उम्र 12 साल और एक की 17 वर्ष थी। इस आयु वर्ग में हृदयाघात की वजह ज्यादातर अनजाने रहे हाइपरट्रोपिक कार्डियोमायोपैथी या पुश्तैनी अर्रिहिथमिक डिस्ऑर्डर हो सकती है। आमतौर पर इस किस्म की व्याधि परिवार में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती है, इसलिए ऐसी स्थिति वाले छोटे बच्चों या किशोरों को सघन शारीरिक व्यायाम करने से पहले दिल की जांच करवा लेनी चाहिए।

हालांकि, कई बार किसी का फिटनेस लेवल पता हुए भी कुछ मामलों में, बहुत अधिक या तेज-तेज व्यायाम करने से शरीर में इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन बन सकता है। कदाचित सामान्य व्यक्ति में भी खतरनाक वेंट्रिकुलर अर्रिहिथमिया बन जाए। कुछ किस्म के नृत्य, जैसे कि ब्रेक-डांस या सघन एरोबिक डांसिंग शारीरिक रूप से बहुत थकाऊ होते हैं। इसलिए इन्हें करने के पहले इनके गंभीर असर के बारे में पता होना चाहिए। इसके लिये बचाव के उपाय, जैसे कि बीच-बीच में रुककर अत्यधिक थकावट से बचना, शरीर में पानी की मात्रा उचित बनाए रखना और थकावट महसूस होने के बावजूद अचानक से या बहुत भारी व्यायाम न करना। आगे, यदि किसी को चक्कर आएं या मितली जैसी आने को हो या व्यायाम करते वक्त सांस में दिक्कत होने लगे तो तुरंत रुक जाना अति आवश्यक है। हाल ही में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने बताया है कि उनमें भी अचानक हृदयाघात और मौतें देखी गई हैं, जिन्हें कोविड-19 का संक्रमण हुआ था। जिनमें तीव्र कोविड लक्षण बने या कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ा था, उन्हें जोखिम ज्यादा है। हालांकि इस अवलोकन की पुष्टि करने के लिए कोई निश्चित वैज्ञानिक सुबूत फिलहाल नहीं हैं। ऐसे मामलों में हुई मौतों के बाद किए गए देह-परीक्षणों (ऑटोप्सी) से अचानक मृत्यु की वजहें पहचानने में मदद मिल सकेगी। यह मालूम नहीं है कि क्या देह-परीक्षण उन लोगों के हुए हैं जिन्हें महामारी लहरों में कोविड हुआ और अब अचानक मौत हुई। वास्तव में, अप्रत्याशित मौतों में 30 फीसदी संख्या युवाओं की थी, रिवायती देह-परीक्षण से कारणों की स्पष्ट व्याख्या नहीं हो पाएगी। इसके लिए मॉलिकूलर ऑटोप्सी, जिसमें डीएनए सिक्वेंसिंग होती है, परीक्षण विधि ऐसे मामलों में छिपी चैनलोपैथी डिसऑर्डर को पहचानने में कारगर साधन हो सकती है। एहतियाती उपाय के अलावा, ऐसे मामले सामने पर जल्द की गई सीपीआर विधि (मुंह से मुंह में सांस भरना और छाती को हथेलियों से दबाना ताकि श्वास और धड़कन चालू हो सके) बहुत काम का जीवन-रक्षक उपाय है। इन मामलों में समय की अहमियत बहुत होती है और सीपीआर देने में प्रत्येक मिनट की देरी होने पर पीड़ित के बचने की संभावना 10 फीसदी कम होती जाती है।

छठ पूजा

इन प्रसिद्ध सूर्य मंदिरों के करें दर्शन

ओडिशा का सूर्य मंदिर

ओड़िशा के कोणार्क में भगवान सूर्य का बहुत ही भव्य और सुंदर मंदिर है। इस मंदिर का आकार रथ जैसा है, जिसमें 12 पहिये और 7 घोड़े लगे हुए हैं। मंदिर में साल भर दर्शन करने वालों का तांता लगा रहता है। मंदिर का निर्माण 13वीं शताब्दी में हुआ था।

पूर्वी भारत में धूमधाम से मनाए जाने वाले छठ पूजा का त्योहार का मुख्य केंद्र बिहार रहा है। हालांकि समय के साथ-साथ यह पर्व पूरे देश व विदेशों तक मनाया जाने लगा है। चार दिन के इस पर्व के दौरान व्रती भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर उनकी प्रार्थना करते हैं। छठ पूजा में सूर्य देव की उपासना की जाती है। इस वर्ष छठ पूजा आज से शुरू हो रही है। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर नहाय-खाय के साथ छठ पर्व का आरंभ होता है और अगले चार दिनों तक यह पर्व मनाया जाता है। सूर्योदय को अर्घ्य और सूर्योस्त की पूजा करके छठ पूजा मनाई जाती है। इस छठ पूजा के मौके पर आप सूर्य देव के मंदिरों के दर्शन करने जा सकते हैं। भारत में कई प्रसिद्ध सूर्य मंदिर हैं, जहां आप छठ पूजा कर सकते हैं।

गुजरात का सूर्य मंदिर

अगर आप गुजरात के रहने वाले हैं तो अहमदाबाद के पास सूर्य मंदिर है। शहर से 100 किलोमीटर दूर मोढ़ेरा में बने सूर्य मंदिर में छठ पर्व के दौरान जा सकते हैं। सम्राट भीमदेव सोलंकी ने इस मंदिर का निर्माण करवाया था। यहां पर इसके संबंध में एक शिलालेख भी मिलता है। सोलंकी सूर्यवंशी थे, सोलंकी सूर्यवंशी थे और वे सूर्य को कुलदेवता के रूप में पूजते थे। इसलिए, उन्होंने अपने आराध्य देवता का एक भव्य सूर्य मंदिर बनाने का निश्चय किया था। यह मंदिर उस समय की शिल्पकला का एक अनोखा उदाहरण है। इस विश्व प्रसिद्ध मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि पूरे मंदिर के निर्माण में जुड़ाई के लिए कहीं भी चूने का इस्तेमाल नहीं किया गया है। मंदिरों के साथ यह बने कुंड भी 11 वीं शताब्दी की शुरुआत में बनाया गया था। निर्माण के बाद 12 वीं शताब्दी की तीसरी तिमाही में प्रवेशद्वार, मंदिर के बरामदे और मंदिर के द्वार और कर्ण के शासनकाल के दौरान कक्ष का निर्माण करवाया गया था।

गया का सूर्य मंदिर

सूर्य ब्रह्मांड में जागृत देव हैं। सूर्य की ऊर्जा से ही संसार में गति होती है। भगवान सूर्य की कृपा से साधक को आरोग्यता के साथ साथ आयु का भी वरदान मिल जाता है। पंचांग में ऐसी कई तिथियां हैं जब भगवान सूर्य के व्रत उपासना का विधान बताया गया है। वेदों से लेकर पुराणों उपनिषदों तक सूर्य की उपासना का विस्तृत वर्णन है। बिहार का गया अपने धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। गया की संबंध बौद्ध धर्म और पितृ-पक्ष से जुड़ा हुआ है। गया में दक्षिणार्क सूर्य मंदिर स्थित है। छठ पूजा के दौरान श्रद्धालु इस मंदिर में अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए आते है।

सूर्य मंदिर, रांची

झारखंड की राजधानी रांची से 39 किलोमीटर से दूर बुंडू के पास सूर्य मंदिर है। संगमरमर से बने सूर्य मंदिर में 18 पहियों और 7 घोड़ों के रथ पर विराजमान भगवान सूर्य आकर्षण का केंद्र है। यहां पर हर साल छठ पर्व के दौरान काफी संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

औरंगाबाद का सूर्य मंदिर

बिहार के औरंगाबाद जिले में स्थित देव सूर्य मंदिर बहुत ही प्रसिद्ध है। मंदिर का निर्माण स्वयं देवताओं के वास्तुकार भगवान विश्वकर्मा ने अपने हाथों से किया है। छठ पर्व के दौरान इस मंदिर में काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। जहां त्रेतायुग में बना सूर्यमंदिर स्थित है। ये मंदिर अद्भुत शिल्पकला का उत्कृष्ट नमूना है। देश भर में प्रसिद्ध इस सूर्य मंदिर को लेकर कई कहानियां कही जाती हैं। इस मंदिर में भगवान सूर्य का दर्शन करने के लिए सालों भर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है।

हंसना मना है

टीचर- रमेश, बताओ अगर तुम्हारा बेस्ट फ्रेंड और तुम्हारी गर्लफ्रेंड दोनों डूब रहे हों, तो तुम पहले किसको बचाओगे? रमेश- डूब जाने दूंगा दोनों को... आखिर दोनों एक साथ कर क्या रहे थे।

लड़की अपने ब्वॉयफ्रेंड को अपनी मम्मी से मिलवाने ले गई... दूसरे दिन.. गर्लफ्रेंड - मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आए। ब्वॉयफ्रेंड - चल पगली....कुछ भी हो.... मैं शादी तो तुमसे ही करूंगा... मम्मी से बोलना मुझे भूल जाएं...

दो पड़ोसन आपस में बात कर रही थी, पहली पड़ोसन- तुम्हें पता है 24 साल तक मेरे कोई औलाद नहीं हुई, दूसरी पड़ोसन- तो फिर तूने क्या किया? पहली पड़ोसन- जब मैं 24 साल की हुई तब घरवालों ने जाके मेरी शादी करवाई फिर कहीं जाकर मुन्ना हुआ, दूसरी पड़ोसन आईसीयू में भर्ती है।

बंटू-वेटर, ऐसी चाय पिलाओ जिसे पीकर मन झूम उठे और बदन नाचने लगे, वेटर-सर हमारे यहां भैंस का दूध आता है, नागिन का नहीं, संजू - पंडित जी, किसी सुंदर लड़की का हाथ पाने के लिए क्या करूं? पंडित जी-किसी मॉल के बाहर मेहंदी लगाने का काम शुरू कर दे।

कहानी | क्या भगवान का अस्तित्व है?

एक बार एक व्यक्ति नाई की दुकान पर अपने बाल कटवाने गया। नाई और उस व्यक्ति के बीच में ऐसे ही बातें शुरू हो गई और वे लोग बातें करते-करते भगवान के विषय पर बातें करने लगे। तभी नाई ने कहा कि मैं भगवान के अस्तित्व को नहीं मानता और इसीलिए तुम मुझे नास्तिक भी कह सकते हो। तुम ऐसा क्यों कह रहे हो व्यक्ति ने पूछा। नाई ने कहा कि बाहर जब तुम सड़क पर जाओगे तो तुम समझ जाओगे कि भगवान का अस्तित्व नहीं है। अगर भगवान होते, तो क्या इतने सारे लोग भूखे मरते? क्या इतने सारे लोग बीमार होते? क्या दुनिया में इतनी हिंसा होती? क्या कष्ट या पीड़ा होती? मैं ऐसे निर्दयी ईश्वर की कल्पना नहीं कर सकता जो इन सब की अनुमति दे। व्यक्ति ने थोड़ा सोचा लेकिन वह वाद-विवाद नहीं करना चाहता था इसलिए चुप रहा और नाई की बातें सुनता रहा। नाई ने अपना काम खत्म किया और वह व्यक्ति नाई को पैसे देकर दुकान से बाहर आ गया। वह जैसे ही नाई की दुकान से निकला, उसने सड़क पर एक लम्बे-घने बालों वाले एक व्यक्ति को देखा जिसकी दाढ़ी भी बढ़ी हुई थी और ऐसा लगता था शायद उसने कई महीनों तक अपने बाल नहीं कटवाए थे। वह व्यक्ति वापस मुड़कर नाई की दुकान में दुबारा घुसा और उसने नाई से कहा कि क्या तुम्हें पता है? नाइयों का अस्तित्व नहीं होता। नाई ने कहा कि तुम कैसी बेकार बातें कर रहे हो? क्या तुम्हें मैं दिखाई नहीं दे रहा? मैं यहां हू और मैं एक नाई हू। और मैंने अभी अभी तुम्हारे बाल काटे है। व्यक्ति ने कहा कि नहीं! नाई नहीं होते हैं। अगर होते तो क्या बाहर उस व्यक्ति के जैसे कोई भी लम्बे बाल व बढ़ी हुई दाढ़ी वाला होता? नाई ने कहा कि अगर वह व्यक्ति किसी नाई के पास बाल कटवाने जाएगा ही नहीं तो नाई कैसे उसके बाल काटेगा? व्यक्ति ने कहा कि तुम बिल्कुल सही कह रहे हो, यही बात है। भगवान भी होते है लेकिन कुछ लोग भगवान पर विश्वास ही नहीं करते तो भगवान उनकी मदद कैसे करेंगे। विश्वास ही सत्य है! अगर भगवान पर विश्वास करते हैं तो हमें हर पल उनकी अनुभूति होती है। और अगर हम विश्वास नहीं करते तो हमारे लिए उनका कोई अस्तित्व नहीं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज आप आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। लेकिन आत्मसंयत रहें। व्यापारियों के लिए दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। आज आपको उम्मीद के अनुसार परिणाम नहीं मिल पाएगा।

तुला
अपने साथी को भावनात्मक तौर पर ब्लैकमेल करने से बचें। क्रोध पर नियंत्रण रहेगा। नए भवन, वाहन का सुख मिल सकता है। नए संपर्क लाभ के अवसर पैदा करेंगे।

वृषभ
आज यदि आपके घर परिवार में कोई भी विवाह योग्य सदस्य हैं, तो उसके विवाह की बात चल सकती है, जिसके कारण घर परिवार का माहौल शुभ व मांगलिक रहेगा।

वृश्चिक
आज आपको अपने मन में निराशाजनक विचारों को आने से रोकना होगा, तभी आप अपने मन से सही कार्य को कर पाएंगे व लाभ के अवसरों को पहचान पाएंगे।

मिथुन
दोस्त आपसे किसी काम के लिए मदद लेंगे। परिवार में आपके व्यवहार की प्रशंसा होगी। किसी नयी तकनीक के द्वारा आपके व्यापार में वृद्धि होने की संभावना है।

धनु
काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी रिश्तेदार के आगमन से घर में खुशी का माहौल बनेगा।

कर्क
आज सामूहिक और सामाजिक काम के लिए दिन अच्छा है। शैक्षणिक मोर्चे पर जो कठिनाई आ रही है उसे दूर करने में मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है।

मकर
आज लेन-देन में सावधानी रखें। भाग्योदय संभव है। जो भी काम करें पूरे आत्मविश्वास के साथ और आनंद से करें। वैवाहिक जीवन में तनाव न आने दें।

सिंह
आज का दिन मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। यदि साझेदारी में कोई व्यापार को किया है, तो अपने पार्टनर के ऊपर बहुत ज्यादा भरोसा नहीं करना है।

कुम्भ
आज का दिन पारिवारिक एकता बढ़ाने वाला रहेगा। यदि परिवार के किसी भी सदस्य को कोई परेशानी होगी, तो उसमें परिवार के सभी सदस्य आगे आकर खड़े होंगे।

कन्या
कुछ ऐसे लोगों से मुलाकात होगी, जो आपके करियर के लिए मददगार रहेंगे। आप परिवार वालों की इच्छा पूरी करेंगे, जिसमें आपको सफलता मिलेगी।

मीन
किसी जरूरी काम में आपको भाई-बहन का सपोर्ट मिलेगा। अपने परिवार वालों के साथ आप कुछ बेहतरीन पलों का आनंद उठायेंगे।

अब ओटीटी पर रिलीज हुई शिल्पा शेट्टी की सुखी

बॉलीवुड गपशप

शिल्पा शेट्टी बॉलीवुड की टैलेंटेड एक्ट्रेस में से एक हैं साथ ही वे अपनी फिटनेस के लिए भी जानी जाती हैं। शाहरुख खान और काजोल स्टारर 'बाजीगर' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली शिल्पा शेट्टी ने अपने अब तक के करियर में कई हिट फिल्मों में काम किया है। हाल ही में एक्ट्रेस फैमिली ड्रामा कॉमेडी फिल्म 'सुखी' में नजर आई थी जिसमें उन्होंने लीड रोल प्ले किया था। बड़े पर्दे पर रिलीज होने के बाद अब शिल्पा की ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज हो गई है। चलिए जानते हैं ओटीटी पर 'सुखी' को कब और कहां देखा जा सकता है?

'सुखी' को ओटीटी पर कब और कहां देखें?

सिनेमाघरों में रिलीज होने के दो महीने बाद शिल्पा शेट्टी के लीड रोल वाली फिल्म 'सुखी' अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी रिलीज हो गई है। ये फिल्म पॉपुलर स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफिलक्स पर रिलीज हुई है। नेटफिलक्स ने 'सुखी' की ओटीटी रिलीज को लेकर अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी अनाउंसमेंट की है। फिल्म का एक पोस्टर शेयर करते हुए नेटफिलक्स ने लिखा है, वीकेंड और भी ज्यादा सुखी हो गया! स्लाइस ऑफ लाइफ ड्रामा में टैलेंटेड शिल्पा शेट्टी को देखें। सुखी अब नेटफिलक्स पर स्ट्रीम हो रही है!

'सुखी' की क्या है कहानी और स्टार कास्ट?

सोनाली जोशी ने 'सुखी' को डायरेक्ट किया है इस फिल्म में शिल्पा के साथ कुशा कपिला, अमित साध, दिलनाज ईरानी, किरण कुमार, विनोद नागपाल ने अहम रोल प्ले किया है। फिल्म की कहानी एक 38 साल की हाउसवाइफ के ईर्द-गिर्द घूमती है। ये फिल्म उन महिलाओं की जिंदगी की कहानी दिखाती हैं जो अपने परिवार की जिम्मेदारियों के बोझ तले इस कदर दब जाती हैं कि खुद को ही भूल जाती हैं। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही थी।

यामी ने पूरी की अपने करियर की सबसे अहम फिल्म की शूटिंग

बॉलीवुड मसाला

यामी गौतम इस साल फिल्म ओएमजी 2 में वकील के किरदार में नजर आईं। अक्षय कुमार और पंकज त्रिपाठी जैसे सितारों के बीच यामी की अदाकारी की भी जमकर तारीफ हुई। यामी अब अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं, जिसकी शूटिंग उन्होंने पूरी कर ली है। हालांकि, इसे लेकर बहुत ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। यामी का कहना है कि वह जल्द ही नई फिल्म का एलान करेंगी। फिलहाल उन्होंने बस इतना ही बताया है कि यह उनके करियर की काफी अहम फिल्म है।

यामी ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट की जानकारी साझा की है। साथ ही बताया कि इसका आधिकारिक एलान वह जल्द ही करेंगी। अभिनेत्री ने पोस्ट के साथ नोट साझा कर फिल्म के निर्देशक, निर्माता और क्रू के सदस्यों का शुक्रिया अदा किया है। साथ ही उन्होंने कश्मीर के स्थानीय निवासियों को भी शुक्रिया कहा है। अभिनेत्री ने अपनी एक तस्वीर और वीडियो साझा की है, जिसमें वह माता खीर भवानी की पूजा-अर्चना करती दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा है, मैंने अपने करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है! पूरी डायरेक्शन, प्रोडक्शन टीम और क्रू सदस्यों का बेहद आभार। साथ ही कश्मीर में स्थानीय लोगों, सुरक्षा बलों और अधिकारियों के भी हम शुक्रगुजार हैं, जिन्होंने पूरे शेड्यूल के दौरान हमें सपोर्ट किया और हमारी देखभाल की।

अभिनेत्री ने आगे लिखा, हमें घर जैसा अनुभव देने के लिए श्रीनगर के द ललित पैलेस के स्टाफ का बेहद शुक्रिया। इस दौरान माता खीर भवानी के दर्शन करने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। हमें उम्मीद है कि अपनी इस आगामी फिल्म के जरिए हम दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर पाएंगे। इसका एलान जल्द किया जाएगा।

बॉलीवुड मन की बात

शराबी का रोल किया, लेकिन मैंने शराब की एक बूंद नहीं छुई : अभिषेक बच्चन

इस साल अगस्त में फिल्म घूमर रिलीज हुई थी। आर. बाल्की के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अभिषेक बच्चन कोच पैडी के रूप में नजर आए। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में सैयामि खेर ने अनीना का रोल अदा किया, जो क्रिकेट खिलाड़ी है। एक हादसे में अपना दायां हाथ गवां देने वाली अनीना के सामने तमाम चुनौतिया आती हैं। अभिषेक बच्चन फिल्म में अनीना के कोच बने हैं। फिल्म में वह अल्कोहलिक बने दिखे हैं। उन्होंने यह रोल कैसे अदा किया, हाल ही में अभिषेक बच्चन ने इसका खुलासा किया। अभिषेक बच्चन का कहना है कि इस फिल्म में भले ही वह अल्कोहलिक दिखे हैं, लेकिन इस रोल को करते हुए उन्होंने एक बूंद शराब नहीं ली। उन्होंने बिना अल्कोहल छुए यह रोल निभाया है। एक मीडिया बातचीत में अभिषेक बच्चन ने घूमर में पैडी सर का रोल करते हुए सामने आई दिक्कतों और चुनौतियों पर चर्चा की। अभिषेक बच्चन ने कहा, पूरी फिल्म की मेकिंग के दौरान मैंने एक बूंद शराब नहीं छुई। अभिषेक बच्चन ने आगे कहा, मैंने बहुत से अभिनेताओं को शराब वाले सीन करते हुए शराब पीते हुए देखा है, क्योंकि इससे उन्हें सीन को वास्तविक दिखाने में मदद मिलती है। लेकिन, मैं कतई ऐसा नहीं करना चाहता था। अभिषेक बच्चन ने कहा, एक शराबी शराब के नशे में सबसे अधिक शांत हो सकता है। नशे में होने पर हो सकता है कि उसका खुद पर कंट्रोल न रहे। अभिषेक बच्चन के मुताबिक पैडी का रोल अदा करते हुए सतर्क रहना था। मेरे लिए यह किरदार चुनौतीपूर्ण था, इसलिए कुछ अलग फैसले भी लिए। फिल्म में अभिषेक बच्चन के शराबी के किरदार की काफी तारीफ हुई है। बता दें कि इस फिल्म में अभिषेक बच्चन के अलावा शबाना आजमी भी अहम रोल में नजर आईं। साथ ही अभिताभ बच्चन भी इसमें कैमियो रोल में नजर आए। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है, इसे आप जी-5 पर देख सकते हैं।

भारत की इकलौती नदी, जिसका पानी है खारा रेगिस्तान पहुंचने के बाद हो जाती है गायब

भारत में कई नदियां हैं। इसके पानी से ही लोगों की प्यास बुझती है। जब नदी का पानी पीने के पानी की जरुरत को पूरा करने में नाकामयाब होने लगा, तब झील और तालाब का निर्माण किया गया। वैसे पहले भी कई प्राकृतिक झील थे। लेकिन इंसानों ने भी कई झील और तालाब का निर्माण किया है। बाद नदियों की कर रहे हैं तो भारत में कई नदियां अपने उद्गम स्थली से निकलती हैं और फिर बहते हुए आखिर में समुद्र में मिल जाती है। नदियां या तो बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं या फिर अरब सागर में। लेकिन भारत में एक ऐसी नदी है जो बिना समुद्र में मिले गायब हो जाती है। नदियों का पानी आमतौर पर मीठा होता है। इसमें कई समुद्री जीव रहते हैं। लोग इसके पानी से अपनी प्यास बुझाते हैं। लेकिन समुद्र का पानी पीने योग्य नहीं होता। ये पानी खारा होता है। लेकिन भारत में एक ऐसी नदी है, जिसके पानी को कोई पी नहीं सकता। इसकी वजह है इसका खारापन। जी हां, भारत की वो इकलौती नदी, जिसका पानी खारा होता है। साथ ही ये आदि खास इसलिए है कि इसका पानी किसी भी समुद्र में नहीं मिलता। आखिर कौन सी है ये नदी। लूनी नदी गहरी नहीं है। ये चौड़ी होकर बहती है। जब नदी चौड़ी हो जाती है तो इसका पानी जल्दी भाप में बदल जाता है। साथ ही लूनी नदी राजस्थान के उन इलाकों से गुजरती है, जहां गर्मी ज्यादा होती है। ऐसे में वहां पानी जल्दी भाप में बदल जाता है और ये गायब हो जाता है। लूनी नदी थार रेगिस्तान पहुँचने के बाद गुजरात के रण ऑफ कच्छ में जाकर गायब हो जाती है और किसी भी समुद्र में नहीं गिरती।

अजब-गजब — इस गीत का क्या है अर्थ जिसे गाते हैं व्रती

कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए, इसे छठ पूजा में क्यों गाते हैं भक्त?

छठ का महापर्व शुरू हो चुका है और देश विदेश में रहने वाले बिहार के लोग इसे उत्साह के साथ मना रहे हैं। 4 दिनों तक चलने वाले इस त्योहार की शुरुआत नहाए-खाए से होती है और उषा अर्घ्य देकर इसका समापन होता है। छठ पूजा के दौरान आपने अक्सर ये प्रसिद्ध लोकगीत, कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए सुना होगा। क्या आप इसका अर्थ जानते हैं, अगर नहीं, तो चलिए हम आपको इसके बारे में बताते हैं।

आज हम बात करेंगे छठ पूजा पर गाए जाने वाले लोकगीत और उसके अर्थ की। दरअसल, किसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर सवाल किया- कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाए का क्या अर्थ है? चलिए आपको इसका अर्थ बताते हैं, पर पहले बताते हैं कि लोगों ने इसका उत्तर क्या दिया है। सियाराम दुबे नाम के शख्स ने लिखा- जब भी छठ का त्योहार आता है तो बहुत सारे फल, फूल मार्केट से इस व्रत के लिए खरीद कर आते हैं, साथ में एक बांस का बना हुआ (बहंगी) खांची, दौरी या कल सूप होता है जिसमें सारा सामान रखकर उसको पीले कपड़े से ढक कर और घर के पुरुष सर पर उठाकर नजदीक के पानी वाले घाट पर ले जाते हैं, छठी माता के आर्घ देने के लिए। जब लोग इसे (बहंगी) को अपने सर पर उठाकर चलते हैं तो ये

हिलता-डुलता है जिसे हमारी भोजपुरी भाषा में (लचकत जाए) शब्द का प्रयोग किया गया है। नोट-खाची, दौरी, ओडी और कल सूप को ही बहंगी कहा जाता है। लचकना मतलब हिलना-डुलना होता है। कोरा पर यूजर ने जो अर्थ बताया है वो पूरी तरह सही प्रतीत होता है। इस गीत की लाइनें इस प्रकार हैं, कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाय, बहंगी लचकत जाय, होई ना बलम जी कहरिया, बहंगी घाटे पहुंचाय। इसका अर्थ हुआ कि कच्चे बांस से बनी बहंगी (दौरी या सूप) को जब घाट पर ले जाया जा रहा है तो वो लचक रही है। ये बहंगी इस वजह से लचक रही है क्योंकि उसमें व्रत से जुड़ी तमाम सामग्रियां भरी हुई हैं। व्रती महिला अपने पति से कह रही है कि वो अब इस बहंगी को घाट तक पहुंचाएं। व्रती महिला इस चीज को देखकर बहुत खुश है कि वो बहंगी लचक रही है। कहरिया शब्द का इस्तेमाल इसलिए हुआ है क्योंकि गुजरे जमाने में व्रत, या किसी शुभ कार्य से जुड़ी सामग्री को ले जाने का काम कहार जाति के लोगों को दिया जाता था। जब मायके से लड़की के ससुराल किसी सामान को पहुंचाना होता था, तो भी कहार ही उसे ले जाया करते थे। बस इसी वजह से इस गीत में भी व्रती महिला अपने पति से कह रही है कि वो कहार की तरह घाट तक बहंगी को पहुंचा दें। ये गीत बेहद लोकप्रिय है।

तेलंगाना में केसीआर को उखाड़ फेंकेगी कांग्रेस : राहुल

बोले- एआईएमआईएम, बीआरएस और भाजपा एक, कांग्रेस ने घोषणापत्र किया जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव से कहा कि जिस स्कूल में सीएम ने पढ़ाई की, वह पिछले 60 वर्षों में कांग्रेस द्वारा बनाया गया था। इसके अलावा, तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव पर एक दशक तक संसाधनों को हड़पने का आरोप लगाते हुए, गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने हैदराबाद को वैश्विक आईटी केंद्र में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

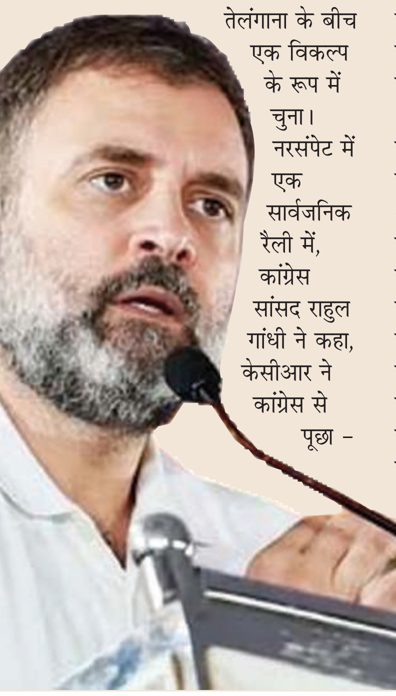

उन्होंने चुनाव को दोराला तेलंगाना और प्रजाला तेलंगाना के बीच एक विकल्प के रूप में चुना। नरसंपेट में एक सार्वजनिक रैली में, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, केसीआर ने कांग्रेस से पूछा – कांग्रेस ने पिछले 60 वर्षों में क्या किया है? केसीआर, जिस स्कूल में आपने पढ़ाई की वह कांग्रेस द्वारा बनाया गया था।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में केसीआर ने एक परिवार का राज कायम कर दिया है, लेकिन हम यहां पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों का राज चाहते हैं। इसलिए हम लोकल बॉडीज में रिजर्वेशन को 42 प्रतिशत तक बढ़ा रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि जितना पैसा केसीआर सरकार ने आपसे चोरी किया है, मैं अगले 5 साल में उतना पैसा आपके खाते में डालने जा रहा हूं। राहुल ने आरोप लगाया कि एआईएमआईएम, बीआरएस और भाजपा एक हैं। इसलिए यह चुनाव बीआरएस और कांग्रेस के बीच में है जहां कांग्रेस, बीआरएस को हराने जा रही है। प्रजाला तेलंगाना का सपना पूरा करने जा रही है।

भगवान राम के नाम पर वोट मांगने वालों ने कुछ नहीं किया : खरगे

हैदराबाद। तेलंगाना में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा जैसे हमने कर्नाटक में 5 गारंटी देकर, वहां की जनता को उसे सौंप दिया, वैसे ही तेलंगाना के लिए भी हमने 6 गारंटी रखी है, जो लोग भगवान राम के नाम पर वोट मांगते हैं, उन्होंने कुछ नहीं किया है, कांग्रेस महिलाओं को बस में फ्री सफर की सुविधा दे रही है, बस में फ्री सफर करके महिलाएं हर दिन मंदिर का दर्शन कर रही हैं। तेलंगाना में 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपना घोषणापत्र जारी कर दिया। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी में यह मैनिफेस्टो जारी किया गया। कांग्रेस ने अपने मैनिफेस्टो में एलपीजी सिलेंडर 500 रुपये में देने के अलावा फ्री बिजली, लड़की शादी में सोना और कैश देने जैसे वादे किए हैं, इस दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने तेलंगाना को अलग राज्य बनाने में कांग्रेस और सोनिया गांधी की भूमिका का भी जिक्र किया खरगे ने कहा, तेलंगाना बनाने के बाद कुर्सी पर कौन बैठा, जिसका कोई रोल नहीं था, कितने लोगों ने गोलियां खाई, कितने लोग मरे, इसका फायदा जनता को नहीं हुआ, राज्य बनने का फायदा आम लोगों की जगह माइनिंग में लूट करने वालों, एग्रीकल्चर में लूट करने वालों को मिला। क्या इसलिए तेलंगाना को अलग राज्य बनाया गया था।

तुष्टिकरण में अंधे हो गए हैं नीतीश-तेजस्वी : बीजेपी

» छठ पर रद्द की गई शिक्षकों की छुट्टियों पर बिहार में रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 19-20 नवंबर के बीच छठ पूजा होने के कारण, छुट्टियों में कटौती के फैसले से सरकारी स्कूल के शिक्षकों में असंतोष फैल गया है। यह कदम, हालांकि जाहिर तौर पर शैक्षणिक संस्थानों के सुचारू कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए है, इससे शिक्षण समुदाय के भीतर नाराजगी पैदा हो गई है।

शिक्षक संघ के नेताओं ने अपना असंतोष व्यक्त करते हुए इस बात पर जोर दिया कि कई शिक्षकों ने इस साल की शुरुआत में सरकार के भर्ती अभियान के बाद छठ उत्सव की योजना बनाई थी। उनका तर्क है कि इस निर्णय से इन नवनियुक्त शिक्षकों को उत्सव के दौरान विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। जवाब में, शिक्षक संघ सरकार से पुनर्विचार करने और उत्सव की अवधि के दौरान सभी प्रशिक्षण गतिविधियों को निलंबित करने की अनुमति देने का आग्रह कर रहा है। जिला शिक्षा विभाग ने अपर मुख्य सचिव के आदेश का जवाब देते हुए सभी स्कूल

प्राचार्यों को निर्देश जारी किया है। उन्हें 13 नवंबर से 21 नवंबर तक अपने संबंधित संस्थानों में स्कूल कर्मचारियों, विशेष रूप से हेडमास्टरों और शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। वहीं, भाजपा ने इस फैसले पर कहा कि बिहार की संस्कृति को समाप्त करने के लिए नीतीश-तेजस्वी सरकार आमदा! बिहार के महापर्व छठ पूजा की छुट्टी की निरस्त। लाखों छठ व्रतियों के श्राप से सनातन को सताने वाले समाप्त हो जाएंगे।

भाजपा ने लिखा कि तुष्टिकरण में नीतीश-तेजस्वी हो गए अंधे! बिहार के महापर्व छठ पूजा की छुट्टी कर दी रद्द। आखिर सनातन इन्हें इतनी दिक्कत क्यों है?

हिंदुस्तान में सामूहिक दुआ पर भी पाबंदी लगाई जाएगी तो जीने का मतलब नहीं : तौकीर रजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। बरेली में आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान की अगुवाई में फलस्तीन के समर्थन में नौमहला मस्जिद में सामूहिक दुआ की गई। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। पहले यह इस्लामिया इंटर कॉलेज के मैदान में होनी थी, मगर प्रशासन ने अनुमति नहीं दी।

बाद में कार्यक्रम नौमहला मस्जिद में रखा गया। दोपहर दो बजे तक सामूहिक दुआ को लेकर असमंजस बना रहा, क्योंकि मौलाना तौकीर रजा समेत आईएमसी नेताओं के घरों के बाहर पुलिस का पहरा बैठा दिया गया था। मस्जिद के बाहर भी फोर्स तैनात रही। इस पर मौलाना ने कहा कि हिंदुस्तान में अब सामूहिक दुआ पर भी पाबंदी लगाई जाएगी तो जीने का कोई मतलब नहीं रह जाता। इससे ज्यादा अन्याय और दमन नहीं किया जा सकता है। यह अन्याय हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

पहले अमेठी में भाजपा कार्यकर्ता बनना खतरे से खाली नहीं था : स्मृति ईरानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी उत्तर प्रदेश में अपनी जमीन मजबूत करने में जुट गई। इसको लेकर बीजेपी कोई कसर नहीं छोड़ रही है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अमेठी में शुक्रवार को कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि, एक समय था कि अमेठी में भाजपा या संघ कार्यकर्ता बनना खतरे से खाली नहीं था।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी में कंबल वितरित किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 2019 में हमारे कार्यकर्ता अमेठी में गांधी परिवार के खिलाफ लड़े थे, वह समय उनके लिए जोखिम भरा, दर्दनाक और घातक था। हमारे कार्यकर्ता निडर होकर लड़ते रहे और गांधी परिवार के खिलाफ संघर्ष किया। आज उसका परिणाम आप सभी के सामने है।

ईरानी ने आगे कहा कि अमेठी में पहले केवल शिलान्यास समारोह होते थे, लेकिन कोई उद्घाटन समारोह नहीं होता था, क्योंकि उद्योग के नाम पर केवल पत्थर ही लगाए गए थे। अमेठी कभी बंद उद्योगों के लिए जाना जाता था। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार बनने के बाद यहां कई उद्योग स्थापित हुए और बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिल रहा है। इसको लेकर 11 बैंकों के माध्यम से लोगों को विभिन्न उद्योग स्थापित करने के लिए 22,000 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया है।

ब्रजेश पाठक ने किया कांग्रेस पर प्रहार

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि जिन लोगों ने दशकों तक अमेठी पर शासन किया, उन्होंने यहां विकास नहीं किया। प्रधानों सहित जन प्रतिनिधियों को उनके अधिकारों से वंचित रखा गया, लेकिन आज गांव- गांव में प्रधानों के कार्यालय खुल रहे हैं। प्रदेश भाजपा प्रमुख भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि भाजपा गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित हैं।

विश्वकप फाइनल : ये ही रात अंतिम, ये ही रात भारी

कल ऑस्ट्रेलिया से फाइनल में भिड़ेगा भारत, कंगारुओं से 20 साल पुराना बदला लेने को तैयार भारतीय शेर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में खेले जा रहे आईसीसी क्रिकेट विश्वकप अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। 46 दिनों का क्रिकेट का ये महाकुंभ अब रविवार 19 नवंबर को अपने अंतिम मुकाबले का साक्षी बनेगा। क्योंकि 19 नवंबर को विश्वकप 2023 का फाइनल मुकाबला खेला जाना है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला महामुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा।

यानी कि अब 20 साल बाद एक बार भारत और ऑस्ट्रेलिया विश्वकप के फाइनल मुकाबले में आमने-सामने होंगे और इस बार भारत का लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया से 20 साल पुराना अपना हिसाब बराबर करने और 2003 विश्वकप फाइनल में मिली हार का बदला लेने का होगा। ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में मात देने के लिए भारतीय टीम के धुरंधरों समेत पूरा देश बिल्कुल तैयार है। ऐसे में भारत के कप्तान रोहित शर्मा और देशवासियों के लिए 'ये ही रात अंतिम ये ही रात भारी' वाली स्थिति नजर आ रही है। इससे पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2003 वर्ल्डकप का फाइनल मुकाबला खेला गया था। यह खिताबी मुकाबला साउथ अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में खेला गया था, जिसमें भारतीय टीम को 125 रनों से हार झेलनी पड़ी थी। तब भारतीय टीम की कमान दादा के नाम से मशहूर सौरव गांगुली के हाथों में थी। जबकि कंगारू टीम की कप्तानी रिकी पोंटिंग संभाल रहे थे।

8वीं बार फाइनल खेलेगी ऑस्ट्रेलिया

भारतीय टीम ने अब तक सभी 9 लीग मैचों समेत अपने पूरे 10 मैच जीते हैं। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने अब तक अपने 10 में से 8 मुकाबले जीते हैं। अब ऑस्ट्रेलियाई टीम 8वीं बार फाइनल खेलने उतरेगी। उसने अब तक 7 में से सबसे ज्यादा 5 बार खिताब जीता है। ऑस्ट्रेलिया ने सबसे ज्यादा 5 बार 1987, 1999, 2003, 2007 और 2015 में खिताब जीता है। उसने 1999 से 2007 तक लगातार 3 बार खिताब जीता था।

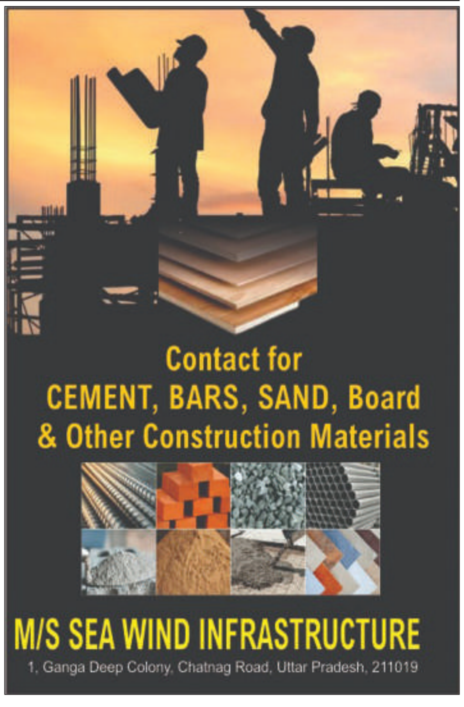

टीम इंडिया की भगवा जर्सी पर गरमाई सियासत

» ममता बनर्जी ने उठाए सवाल, बोलीं- हर चीज का हो रहा भगवाकरण

» भाजपा ने किया पलटवार, कहा- तिरंगे में भगवा सबसे ऊपर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। क्रिकेट का महाकुंभ यानी विश्वकप अब अपने अपने अंतिम पड़ाव पर है। भारतीय क्रिकेट टीम विश्वकप की ट्रॉफी उठाने से सिर्फ एक कदम दूर है। पूरा देश टीम के जीत की दुआ कर रहा है। इस बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने टीम इंडिया की जर्सी को लेकर सवाल उठाए हैं।

दरअसल, ममता बनर्जी ने ये सवाल इंडिया की प्रेक्टिस जर्सी को लेकर उठाए हैं, जो भगवा रंग की है। इसी पर भाजपा सरकार को घेरते हुए ममता बनर्जी का कहना है कि सबकुछ गेरुआ रंग में रंगा जा रहा है। ममता बनर्जी के इस बयान पर अब सियासत भी शुरू हो गई है। क्योंकि उनके बयान पर भाजपा की ओर से भी पलटवार किया गया है। जिसमें कहा गया है कि ममता ने तो पूरे कोलकाता को नीले और सफेद रंग में रंग दिया है।

ममता ने कोलकाता को नीले और सफेद रंग से रंगा : भाजपा

ममता के इस बयान और भाजपा को निशाने पर लेने पर बीजेपी की ओर से भी पलटवार किया गया। भाजपा नेता शिशिर बाजोरिया ने कहा कि हम विश्वकप के लिए टीम इंडिया में उनकी इच्छा का स्वागत करते हैं। जब वह कहती हैं कि टीम इंडिया का भगवाकरण हो गया है क्योंकि वे अभ्यास के दौरान भगवा जर्सी पहनते हैं तो उस तिरंगे के बारे में क्या कहें जहां भगवा सबसे ऊपर है? वह कहती है कि टीम इंडिया नीला रंग पहनने के लिए संघर्ष करती है, उन्हें पता होना चाहिए कि कूटनीतिक कारणों से भारत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नीले रंग का इस्तेमाल करता है। उन्होंने खुद शहर को नीले और सफेद रंग से रंगा है। वहीं भाजपा नेता दिलीप घोष ने कहा कि नीदरलैंड के क्रिकेटर भी गेरुआ पहनते हैं, क्या वो हिंदू राष्ट्र बन गया है? अगर गेरुआ

टीम की जर्सी बना देगा तो टीएमसी के लोग क्या करेंगे- गैलरी से नीचे कूद पड़ेंगे, या गंगा में कूद जायेंगे, उन्हें कुछ नहीं करना है। लोग भारत को गेरू के नाम से जानते हैं।

हमें खिलाड़ियों पर गर्व, लेकिन भगवा जर्सी करना सही नहीं: बनर्जी

दरअसल, मध्य कोलकाता के पोस्ता बाजार में जगधात्री पूजा के उद्घाटन अवसर सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि अब सब कुछ भगवा हो रहा है। हमें अपने भारतीय खिलाड़ियों पर गर्व है और मुझे विश्वास है कि वे विश्वविजेता बनेंगे। लेकिन जब वे अभ्यास करते हैं तो उनकी ड्रेस भी भगवा हो गई है। वे पहले नीला रंग पहनते थे। ममता ने आगे कहा कि यहां तक कि मेट्रो स्टेशनों को भी भगवा रंग में रंगा जा रहा है। एक बार मैंने सुना था कि मायावती ने अपनी मूर्ति बनवाई है, लेकिन अब यह सामान्य हो गया है। अब हर चीज का नाम नमो के नाम पर रखा जा रहा है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। ममता ने किसी का नाम लिए बगैर इस कृत्यब की निंदा की। उन्होंने कहा कि मुझे उनकी मूर्तियां खड़ी करने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन वो हर चीज को भगवा रंग में रंगने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने एक बार देखा था कि मायावती ने अपनी एक मूर्ति बनवाई थी। उसके बाद, मैंने ऐसा कुछ नहीं सुना इस तरह की नौटंकी हमेशा फायदे की ओर नहीं ले जा सकती। सत्ता आती और जाती रहती है। बीजेपी पर कटाक्ष करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि यह देश जनता का है, न कि सिर्फ एक पार्टी की जनता का।

फोटो:4 पीएम

धरना 69000 शिक्षक अभ्यर्थियों ने आज दूसरे दिन डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के आवास का किया घेराव पुलिस ने भेजा इको गार्डन।

आदित्य ठाकरे पर मुंबई पुलिस ने दर्ज किया केस

डिलाइल रोड ब्रिज लेन के उद्घाटन से जुड़ा है मामला

» आदित्य के अलावा सुनील शिंदे और सचिन अहीर के खिलाफ भी दर्ज हुआ मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उद्धव ठाकरे गुट के तीन नेता आदित्य ठाकरे, सुनील शिंदे और सचिन अहीर के खिलाफ मुंबई पुलिस ने केस दर्ज किया है। मुंबई के एनएम जोशी पुलिस स्टेशन में तीनों नेताओं के खिलाफ आईपीसी की धारा 143, 149, 326 और 447 के तहत मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक, यह मामला डिलाइल रोड ब्रिज लेन के उद्घाटन के सिलसिले में दर्ज किया गया है।

वरली से विधायक आदित्य ठाकरे, मुंबई के पूर्व मेयर किशोरी पेडनेकर और स्नेहल अंबेकर के साथ-साथ वर्ली के पूर्व विधायक सचिन अहीर और सुनील शिंदे ने गुरुवार देर रात लोअर परेल के डिलाइल ब्रिज पुल को आधिकारिक तौर पर खोल दिया।

दरअसल, ये ब्रिज लगभग तैयार है लेकिन उद्घाटन का एनओसी नहीं मिला है और उद्घाटन होना बाकी है। उद्धव गुट के नेताओं का कहना है की लोगों को दिक्कतें हो रही इसलिए ब्रिज को लोगों के लिए खोल दिया गया। अब जबरन ब्रिज खोलने के मामले में आदित्य ठाकरे सहित अन्य नेताओं पर एफआईआर दर्ज हुई है।

ये है मामला

मुंबई नगर निगम ने इस पुल का काम पूरा करने और डिलाइल रोड पर काम पूरा होने के बाद, आमतौर पर सात दिनों के बाद लेन शुरू करने की योजना बनाई थी। वहीं इस मामले में मुंबई नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि इस तरह से उद्घाटन करना गैरकानूनी है। नगर निगम के प्रस्तावित उद्घाटन से पहले ही आदित्य ठाकरे ने इस पुल का उद्घाटन कर इस पर यातायात शुरू कर दिया।

राज्यपालों के जरिए गैर-भाजपा शासित राज्यों को निशाना बना रहा केंद्र: स्टालिन

» सीएम ने विधानसभा में विधेयकों पर पुनर्विचार के लिए पेश किया प्रस्ताव

» गवर्नर रवि पर भी बोला तगड़ा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और राज्यपाल रवि के बीच तल्खियां कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। अब सीएम स्टालिन ने एक बार फिर गवर्नर रवि पर निशाना साधा है। सीएम स्टालिन ने 10 विधेयकों पर पुनर्विचार के लिए आज राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया। इसी दौरान उन्होंने राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने से रोकने पर राजपाल के प्रति नाराजगी भी व्यक्त की। तमिलनाडु विधानसभा के अध्यक्ष अप्पावू ने कहा कि विधेयक पारित किए जाएंगे और इन्हें राज्यपाल आरएन रवि के पास भेजा जाएगा।

सदन में प्रस्ताव पेश करते हुए स्टालिन ने कहा कि बिना कोई कारण बताए राज्यपाल रवि ने विधेयकों को लौटा दिया। जबकि साल 2020 और 2023 में सदन द्वारा 2-2 विधेयक पारित किए गए थे, जबकि पिछले साल छह अन्य पारित किए गए थे।

याद दिलाया अनुच्छेद-200

सीएम एमके स्टालिन ने कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद-200 के तहत अगर सदन में विधेयकों को फिर से पारित किया जाता है और मंजूरी के लिए राज्यपाल के पास भेजा जाते है, तो वह इस पर रोक नहीं लगा सकते हैं। उन्होंने सदन का ध्यान तमिलनाडु विधानसभा के नियम 143 पर केंद्रित कराया। उन्होंने कहा कि इस नियम के अनुसार सदन फिर से विधेयकों पर पुनर्विचार कर सकती है।

सरकार की पहल को रोकना चाहते हैं गवर्नर

मुख्यमंत्री स्टालिन ने गवर्नर रवि पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि राज्यपाल सरकार की पहलों को रोकना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने अपनी निजी सनक के कारण विधेयकों को लौटाया है। विधेयकों को मंजूरी नहीं देना अलोकतांत्रिक और जनविरोधी है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र राज्यपालों के जरिए गैर-भाजपा शासित राज्यों को निशाना बना रहा है।

फोटो: सुमित कुमार

विजय यज्ञ टीम इंडिया की क्रिकेट वर्ल्डकप फाइनल में जीत के लिए लखनऊ स्थित कांग्रेस कार्यालय में टीम इंडिया विजय यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय भी मौजूद रहे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।